VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन** घंटे*
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड/ Test Code : 4514

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 46120289

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : PRAVEEN RATNOO

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

हिन्दी

तारीख
Date

02/08/2025

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre

JAIPUR

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VisionIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VisionIAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे	**टेस्ट कोड : 4514**	अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours	**Test Code : 4514**	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VisionIAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VisionIAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. किसी युद्ध को जीतने के लिए आपको एक से अधिक बार लड़ना पड़ सकता है।
You may have to fight a battle more than once to win it.

2. विवेक के मामलों में बहुमत के कानून का कोई स्थान नहीं होता है।
In matters of conscience, the law of the majority has no place.

3. जो विद्यालय के द्वार खोलता है, वह कारागार के द्वार बंद करता है।
He who opens a school door, closes a prison.

4. केवल शीत ऋतु की कठोरता में ही हम वसंत की गर्मी का वास्तविक महत्व समझ पाते हैं।
Only in the depths of winter can we truly appreciate the warmth of spring.

खण्ड – B / SECTION – B

5. हम सदैव अपने युवाओं के लिए भविष्य का निर्माण नहीं कर सकते, परंतु हम भविष्य के लिए अपने युवाओं को तैयार कर सकते हैं।
We cannot always build the future for our youth, but we can build our youth for the future.

6. नकल करना सुरक्षित होता है; नवाचार के लिए साहस की आवश्यकता होती है।
Copying is safe; innovation demands courage.

7. हम जितना अधिक स्वचालन को अपनाएंगे, हमें उतना ही अधिक मानवीय बनना होगा।
The more we automate, the more human we must become.

8. तत्काल मान्यता की चाह एक व्याकुल मानसिकता वाली पीढ़ी को जन्म दे रही है।
The pursuit of instant validation is creating a generation of restless minds.

VisionIAS

खण्ड – A / SECTION – A

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. किसी युद्ध को जीतने के लिए आपको एक से अधिक बार लड़ना पड़ सकता है।
You may have to fight a battle more than once to win it.

2. विवेक के मामलों में बहुमत के कानून का कोई स्थान नहीं होता है।
In matters of conscience, the law of the majority has no place.

3. जो विद्यालय के द्वार खोलता है, वह कारागार के द्वार बंद करता है।
He who opens a school door, closes a prison.

4. केवल शीत ऋतु की कठोरता में ही हम वसंत की गर्मी का वास्तविक महत्व समझ पाते हैं।
Only in the depths of winter can we truly appreciate the warmth of spring.

किसी युद्ध को जीतने के लिए आपको एक से अधिक बार लड़ना पड़ सकता है।

"युद्ध को जीतना कोई सीधा रेखा नहीं है, अपितु यह ऐसा वक्र है, जिस पर बार-बार चलना पड़ सकता है"

रॉबर्ट एच. शूलर का उपर्युक्त कथन युद्ध-विजय की जटिलता को द्योतित करता है। शूलर के अनुसार युद्ध को जीतना एक सरल, सहज एवं आसान कार्य नहीं, बल्कि इसके लिए निरंतर

VisionIAS

प्रयास करना भी पड़ सकता है। फलतः प्रयासों को दोहराना भी पड़ सकता है। इसलिए कहा भी जाता है - किसी युद्ध को जीतने के लिए आपको एक से अधिक बार लड़ना पड़ सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटकर गौर से अवलोकन करें तो हम कई ऐसे उदाहरण देख सकते हैं, जिसमें युद्ध जीतने के लिए अनेक बार प्रयास किया गया। या यूँ कहें उन्हें बार-बार लड़ना पड़ा। जैसे - मगध साम्राज्य का कलिंग को जीतने के लिए लड़ी गई लड़ाईयों की लंबी श्रंखला नज़र आती है। जिसे बिंबिसार, अजातशत्रु (हर्यक वंश) से लेकर सम्राट अशोक के कलिंग विजय के रूप में देखा जा सकता है।

ऐसा ही कुछ स्पार्टा-एथेंस युद्धों, तुर्की-अरबों (ऑटोमन-फारस) के युद्धों, मध्यकालीन ईसाईयत व इस्लाम के युद्धों में भी परिलक्षित होता है कि युद्ध जीतने के लिए एक से अधिक बार लड़ा गया।

भारतीय इतिहास की बात करे तो मोहम्मदगोरी व पृथ्वीराज के बीच लड़े गए तराईन के युद्ध हो या मराठाओं का मुगलों से युद्ध, या फिर अंग्रेजों से स्वाधीनता का युद्ध हो। एक ही बात बारंबार द्रष्टव्य होती है युद्ध को जीतने के लिए अनेक बार लड़ना पड़ता है।

स्वाधीनता संग्राम का विश्लेषण करे तो यह एक दिन, एक वर्ष या एक व्यक्ति, एक समूह का युद्ध नहीं था, बल्कि एक समुचे राष्ट्र का युद्ध था। जिसको गोपालकृष्ण गोखले, MG रानाडे जैसे उदारवादियों; बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, विपिनचंद्रपाल सरीखे गरमपंथियों तथा सुभाष बोस, भगतसिंह, चंद्रशेखर आजाद प्रभृति क्रांतिकारी नेताओं के बार बार-बार लड़ाई लड़नी पड़ी। ध्यातव्य हैं कि महात्मा गांधी द्वारा भी संघर्ष-विराम-संघर्ष नीति द्वारा सत्य व अहिंसा से शुरू की गई लड़ाई को करो या मरो के चरम स्तर पर ले जाना पड़ा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

ये भी इस बात की पुष्टि करते हैं युद्ध को जीतने के लिए आपको एक से अधिक बार लड़ना पड़ सकता है। डेशमंड टुटू हो या नेल्सन मंडेला का 27 वर्षीय 'लॉन्ग वॉक टू फ्रीडम स्ट्रगल', या फिर मार्टिन लूथर किंग जूनियर तथा रोजा पार्क्स की अमेरिकन ब्लैक्स के अधिकारों की लड़ाई हो। कुछ ऐसे ही प्रसंग हैं जो उपर्युक्त कथन को सिद्ध करते हैं। यहाँ मार्टिन लूथर का उद्धरण भी उल्लेखनीय है।

"अन्याय कहीं पर भी हो, हर जगह के -याय के लिए खतरा है।"

अब एक बड़ा सवाल है कि युद्ध को जीतने के लिए एक से अधिक बार क्यों लड़ना पड़ सकता है। दरअसल, युद्ध अकाम्य तथा अवांछनीय है। जैसा कि भारतीय प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि युद्ध का युग नहीं है। परंतु हमें युद्ध मजबूरी में लड़ना पड़ता है। जैसा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने 'कुरुक्षेत्र' में भीष्म-

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

पितामह के माध्यम से कहलवाया है -

" रुग्ण होना चाहता कोई नहीं,
लेकिन रोग आया पास हो,
तिक्त औषधि के सिवा उपचार क्या,
शमित न होगा मिथ्यात से।"

अर्थात् युद्ध एक कड़वी दवा के रूप में शांति का उपचार है। यानी युद्ध आपद धर्म का परिणाम है।

एक और कारण की पड़ताल प्रसिद्ध ग्रीक दार्शनिक अरस्तू ने भी की है -

" विडंबना है कि हम युद्ध इसलिए लड़ते है, क्योंकि हमें शांति स्थापित करनी है।

अर्थात् युद्ध शांति स्थापना हेतु लड़ी गई लड़ाई है।

गौरतलब है कि युद्ध हथियारों द्वारा लड़ी गई लड़ाई तक ही सीमित नहीं हैं। यह व्यक्ति, परिवार, समाज तथा राज्य द्वारा विभिन्न मोर्चों पर लड़ी गई लड़ाई भी है, जिसे जीतने के लिए अनेक बार लड़ना पड़ सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

एक व्यक्ति को नित-प्रतिदिन अंतर्द्वंद्वों, तनाव, मानसिक पीड़ाओं से गुजरना पड़ता है। बढ़ते हुए शहरीकरण, औद्योगिकरण से भावनात्मक विलगाव बढ़ रहा है। फलत: संशय, विकलता, विसंगति, निरर्थकता बोध, अवसाद जैसी परेशानियां जीवन को दुभित बना देती है। प्रसिद्ध अस्तित्ववादी दार्शनिक जीन पॉल सार्त्र की भाषा में कहें तो व्यक्तित्व की अप्रमाणिकता बढ़ रही है। इन तमाम लड़ाइयों से संघर्षशील व्यक्ति को इनसे छुटकारा पाने हेतु अनेक बार दो-चार हाथ करने पड़ते हैं।

उदाहरण के लिए एक किसान का दृष्टांत ले तो उसके किसानी संघर्ष की लड़ाई भी ऐसी ही नज़र आती है। जैसा कि मशहूर साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने 'पूस की रात' जैसी कहानियों तथा 'गोदान' सरीखे उपन्यासों में कृषक जीवन की दासता को चित्रित किया है। जिसमें बताया गया है कि किस प्रकार एक किसान ऋणग्रस्तता,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

सुदखोरी, बिरादरी तथा मरजाद का सामाजिक बोझ, गरीबी तथा ज़हालता, पारिवारिक संघर्ष जैसी समस्याओं से संघर्षरत है। इन सबसे उसे बार-बार मुँह की खानी पड़ती है। परिणामतः उसे इन युद्ध रूपी संघर्षों को जीतने के लिए बार-बार लड़ना पड़ता है।

जैसा कि महाकवि शायर ने कहा है -

"गिरते हैं वे जो शहसवार लड़ते हैं,
वो तिफल क्या गिरे जो घुटने
के बल चलते हैं।"

पारिवारिक स्तर पर देखें तो आज पारंपरिक परिवार-व्यवस्था ढह रही है। संयुक्तता जैसे पारिवारिक मूल्यों की विनष्टिकरण हो रहा है। जैसा कि 'जीन बॉडीलार्ड' ने 'हायपर रियलिटी' की अवधारणा से बताया था कि परिवारों में भावनात्मक बिलगाव बढ़ रहा है। 'डबल इनकम नो चाइल्ड', 'सिंगल मदर परिवार', लिव-इन-रिलेशन जैसी बदलती पारिवारिक संरचनाएँ

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

भी अनेक चुनौतियाँ उत्पन्न करती है, जिसे जीतने के लिए अनेक बार लड़ना पड़ता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सामाजिक स्तर पर गौर करें तो समाज में पितृसत्तात्मकता, दहेज़ प्रथा, बालविवाह, मृत्युभोज जैसी अनेक बुराईयाँ एवं कुरीतियाँ व्याप्त है। इन पर भी विजय पाने के लिए राजा राममोहन राय (सती प्रथा), ज्योतिबा फूले व सामाजिक क्रांति की संवाहक सावित्री फूले (स्त्रीशिक्षा) तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर (दलित आंदोलन) को भी बार-बार रूढ़िवादिता से युद्ध लड़ना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक समता, आर्थिक उन्नति, सांस्कृतिक गरिमा, राजनीतिक स्वतंत्रता, वंचितों का सशक्तिकरण आदि उद्देश्यों को साधा जा सका।

इतना ही नहीं आज भी इरोम शर्मिला (उत्तर-पूर्व में AFSPA के खिलाफ संघर्ष), वंदना शिवा (इकोफेमिनिज़्म), नाज फाउंडेशन (IPC 377)

Vision IAS

आदि बार-बार अधिकारों की लड़ाई लड़ते हुए दिखाई पड़ते हैं।

गौरतलब है कि विश्व व समूची दुनिया के देश पर्यावरण के क्षरण तथा जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) की पीड़ा से त्रस्त हो रहे हैं। जैसा कि टेल्ले ने कहा था-

"पर्यावरण को विकास व आर्थिक उन्नति की चकाचौंध में भूला दिया गया, सनद रहे, वह देशों के विकास का मूक योगदानकर्ता है।"

पर्यावरण संरक्षण का भी युद्ध भी बार-बार ही निरंतर लड़ना पड़ा है। 1972 ई. का पर्यावरण सम्मेलन हो या 1992 का पृथ्वी सम्मेलन, या फिर पेरिस क्लाइमेट समिट हो या ग्लासगो समिट द्वारा नेट-न्यूट्रिलिटी व जीरो कार्बन की प्रतिबद्धता हो। या चाहे COP का

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्ष-दर-वर्ष कॉन्फ्रेंस आयोजित हो। यह सभी भी इसी बात को इंगित करते हैं कि पर्यावरण संरक्षण की लड़ाई जीतने हेतु अनेक-बार युद्ध करना पड़ सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि युद्ध सदैव आवश्यक नहीं हैं। इसको हमेशा जीता भी मुकम्मल नहीं हो पाता। जैसे- आज के वैश्विक परिदृश्य में इजराइल-हमास का युद्ध हो या रूस-यूक्रेन का युद्ध। ये सभी इस बात की ओर संकेतित करते हैं कि (जैसा मार्टिन लूथर ने भी बताया) -

"युद्ध विनाशक होते हैं, यह व्यक्ति को बर्बाद कर देते हैं, परिवारों को तबाह कर देते हैं, धर्म का नाश तथा देशों का सर्वनाश कर वैश्विक शांति को भंग कर देते हैं।"

अतः हमें युद्ध से बचाव का हर संभव प्रयास करना चाहिए। संवाद, सहयोग, कूटनीति जैसे अहिंसक उपायों को प्राथमिकता देनी

VisionIAS

चाहिए। जैसा कि रविंद्रनाथ टैगोर ने भी कहा था -

"हिंसक युद्धों के माध्यम से कोई नहीं जीता है, नैतिकता के माध्यम से जीत को संभव बनाया जा सकता है।

इसलिए हमें नैतिकता व महावीर, बुद्ध तथा गांधीजी के अहिंसक मार्ग पर चलकर सत्याग्रह से जीतने का प्रयास करना चाहिए। ताकि जिससे दिलों में प्रेम का बीज उपज सके।

जैसा कि कलाम साहब का भी मानना था -

"जब दिलों में प्रेम होगा तो, परिवारों में सामंजस्य होगा; घरों में सामंजस्य से देश में व्यवस्था होगी, देश में व्यवस्था से विश्व में शांति होगी।"

अतः हमें यदि युद्ध लड़ना पड़े तो उसका उद्देश्य शांति हो, उसका मार्ग शांति हो, उसका परिणाम शांति हो। यह सुनिश्चित करना ही चराचर जगत के कल्याण में है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

खण्ड – B / SECTION – B

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. हम सदैव अपने युवाओं के लिए भविष्य का निर्माण नहीं कर सकते, परंतु हम भविष्य के लिए अपने युवाओं को तैयार कर सकते हैं।

We cannot always build the future for our youth, but we can build our youth for the future.

6. नकल करना सुरक्षित होता है; नवाचार के लिए साहस की आवश्यकता होती है।

Copying is safe; innovation demands courage.

7. हम जितना अधिक स्वचालन को अपनाएंगे, हमें उतना ही अधिक मानवीय बनना होगा।

The more we automate, the more human we must become.

8. तत्काल मान्यता की चाह एक व्याकुल मानसिकता वाली पीढ़ी को जन्म दे रही है।

The pursuit of instant validation is creating a generation of restless minds.

हम अदैव अपने युवाओं के लिए भविष्य का निर्माण नहीं कर सकते, परंतु हम भविष्य के लिए अपने युवाओं को तैयार कर सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से भारतीयों को संबोधित कर रहे थे। जैसा कि पिछले कुछ वर्षों से एक ट्रेंड है कि वे बड़ी

VisionIAS

बदलवकारी योजनाओं की घोषणाएँ प्राय: इस मंच से करते हैं। टेलीविजन पर लाइव प्रसारण हो रहा था। प्रधानमंत्री के भाषण के अंश लिखित रूप में दृष्टव्य थे। अचानक एक ब्रेकिंग-पूज के रूप में पंचलाइन फ्लैश होती है। यकायक एंकर बात को दोहराता है – "प्रधानमंत्री ने 'मेरे युवा भारत' (MY भारत) पहल का आगाज करते हुए कहा कि - हम स्वयं अपने युवाओं के लिए भविष्य का निर्माण नहीं कर सकते, परंतु हम भविष्य के लिए अपने युवाओं को तैयार कर सकते हैं।"

ये दृश्य मैं अपनी आँखो से देख रहा था। ऐतिहासिक वक्तव्य का साक्षी बनकर मैं हर्ष व आनंद की अनुभूति कर रहा था। युवाओं के लिए एक बड़ी पहल करना, समय की मांग थी। जनसंख्या लाभांश तथा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VISIONIAS

विकसित भारत @ 2047 हेतु अपरिहार्य हो गया था।

बहरहाल, एक प्रश्न उठता है कि हम सदैव अपने युवाओं के लिए अवसर का निर्माण क्यों नहीं कर सकते? ध्यातव्य है कि युवाओं का भविष्य निर्माण एक आसान राह नहीं है। अनेक सीमाएँ इस महत्वाकांक्षी राह में बाधाएँ बनती हैं। जिसमें संसाधनों की सीमितता, कुशल कार्यबल की कमी, शासन में व्याप्त भ्रष्टाचार, असमानता की खाई का गहरा होना, (ऑक्सफैम: शीर्ष 1% लोगों के पास 45% संपत्ति है, वहीं निम्न 50% के पास 3% संपत्ति है), वैश्विक सहयोग की कमी से विकासशील देशों का पिछड़ापन की अप्रासंगिकता आदि के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन व पर्यावरण क्षरण जैसी दोहरी मार भी खतरनाक चुनौतियाँ पेश करती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक और महत्वपूर्ण कारक बढ़ती जनसंख्या है। UNFPA के अनुसार वर्तमान 8 अरब से अधिक आबादी में 3 अरब युवा है, जो सदी के अंत तक 10 अरब की कुल आबादी में एक तिहाई से अधिक होंगे। पिछले 4-5 दशकों से जनसंख्या का विस्फोट हुआ है। जिससे परिवार नियोजन, बाल स्वास्थ्य देखभाल, रोजगार, शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी व्यवस्थाएँ चरमरा गई है।

कंसर्न वर्ल्डवाइड तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टों के आँकड़ो को यदि सच माने तो आज भुखमरी, कुपोषण तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसी समस्याएँ विकराल रूप धारण किए हुए युवाओं की प्रगति में रोड़ा बन रही है।

ग्लू रिसर्च की रिपोर्ट को विश्वसनीय माने तो आज का हर तीसरा युवा तनाव,

Visions IAS

अवसाद, भविष्य के जोखिम आदि से चिंताग्रस्त दिखाई पड़ता है।

ज्ञातव्य हैं कि वंचन; युवाओं के भविष्य के निर्माण में बहुत बड़ी बाधा रहा है। जैसा कि मदर टेरेसा ने कहा है –

"आज के दौर में कुष्ठ व तपेदिक बड़े रोग नहीं हैं, बल्कि युवाओं का वंचन सबसे बड़ा रोग है। कुष्ठ व तपेदिक का चिकित्सीय उपचार संभव है, पर वंचन का उपचार सर्वसाध्य नहीं हो पाया।"

प्रसिद्ध समकालीन बेस्ट बुक सेलर के लेखक हेल हैलरॉड ने भी अपनी पुस्तक 'द मिरेकल इक्वेशन' में बताया हैं कि किस प्रकार युवा अपनी प्रच्छन्नताओं से ग्रस्त है। जिससे वह अपनी क्षमताओं का पूर्ण दोहन नहीं कर पाता मसलन समाज व सरकार के बाहरी प्रयास निष्फल हो जाते है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

परंतु हम भविष्य के लिए युवाओं को तैयार कर सकते हैं। जैसा कि प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता 'बाबा आम्टे' ने कहा था – "हमें सदैव युवाओं का क्षमता निर्माण करने का सफल प्रयास करना चाहिए। एक दिन यह साध्य जरूर पूरी होगी"

भारतीय समाज के (विशेषतः युवाओं) मार्गदर्शक तथा प्रेरक रहे युगपुरुष स्वामी विवेकानंद ने भी युवाओं के भविष्य के निर्माण हेतु सदैव प्रयासरत न रहने की विवशता को जानते हुए कहा था - हम भविष्य के लिए अपने युवाओं को तैयार कर सकते हैं। उन्होंने उद्बोधन भी दिया -

"उठो! जागो! और आगे बढ़ो तब तक चलते रहो, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

संविधान शिल्पी डॉ अंबेडकर ने भी शिक्षा को युवाओं की क्षमता बढ़ाने वाला हथियार

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

बताते हुए कहा था –

"शिक्षित बनो! संगठित रहो! संघर्ष करो!"

अर्थात् युवाओं को सुकरात के ज्ञान (WISDOM) को हासिल करने हेतु शिक्षित होना चाहिए। सामाजिक सौहार्द्रता, सामंजस्य (HARMONY) तथा संवैधानिक आदर्शों बंधुत्व, गरिमा हेतु संगठित रहना चाहिए। जिससे सामाजिक - आर्थिक - राजनीतिक न्याय हेतु मुखरता से आवाज उठाई जा सके। फलतः स्वतंत्रता, समानता जैसे आदर्शों को प्राप्य बनाया जा सके।

युवाओं को समग्र शिक्षा अभियानों, नवीन शिक्षा नीति (NEP, 2020) तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) संस्थाओं जैसे माध्यमों से एक तर्कशील, विवेकवान तथा विज्ञान नागरिक के रूप में शिक्षित करने के प्रयास सही दिशा में जाते हुए नज़र आ रहे हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margi

Vision IAS

बेरोजगारी तथा गरीबी के दुष्चक्र को तोड़ने के लिए कौशल-प्रशिक्षण तथा रोजगार सृजन हेतु युवाओं पर प्रयास अपरिहार्य है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास, स्टार्टअप स्टैंडअप इंडिया, PM विश्वकर्मा जैसी तमाम रचनात्मक सृजनात्मी योजनाओं के माध्यमों से युवाओं को उद्यम व स्वरोजगार हेतु तैयार किया जा रहा है।

भविष्य में तकनीक की भूमिका अति महत्वपूर्ण रहने वाली है। कृत्रिम मेधा (AI), इंटरनेट ऑफ थिंग, ब्लॉकचेन, बिग डाटा, रोबोटिक्स, ड्रोन इत्यादि उभरती हुई तकनीकें हैं। इन सबके के इष्टतम व जनकल्याणकारी उपयोग को बढ़ाने हेतु

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidate must not write on this margin

युवाओं को इन तकनीकों हेतु एडाप्टेबल बनाना होगा। डिजीटल साक्षरता को बढ़ाकर (डिजीटल भारत अभियान), AI उत्कर्षटता केंद्र, 'AI 4 इंडिया' (नीति आयोग) रोबोटिक्स निर्माण केंद्र, अटल टिंकरिंग लैब (प्राथमिक व स्कूली विद्यार्थियों के लिए) आदि के माध्यम से युवाओं को तकनीकी क्षमता से अनुस्यूत किया जा रहा है।

इनोवेशन व क्रिएटिविटी की क्षमता युवाओं को युग निर्माता बना सकती है। शुभांशु शुक्ला द्वारा स्पेस स्टेशन पर जाना युवाओं को विज्ञान, इनोवेशन, शोध तथा अनुसंधान की ओर आकर्षित करता है। अटल इनोवेशन मिशन, स्टेम (STEM) पर बल देना, PM श्री स्कूल, नवीन वैज्ञानिक

संस्थान AIIMS, IIT, IISc, IIM आदि का विस्तार होना ही युवाओं को भविष्य हेतु तैयार करने का माध्यम है।

दिव्यांगता भी युवा की बड़ी बाधा बन रही है। दरअसल दिव्यांगता क्षमता को घटा देती है। परंतु आज सुगम्य भारत अभियान जैसी योजनाओं से पूरे विश्व में दिव्यांग युवाओं के भविष्य हेतु तैयार करने के लिए आगाह किया है। आज युवा पैरालंपिक में मेडल जीत कर नवीन क्षमता का परिचय देते हुए उन्होंने भविष्य की कल्पना व स्वप्न को साकार कर रहे हैं।

'सितारे जमीं पर' जैसी मूवी में देखा जा सकता है किस प्रकार दिव्यांगों की क्षमता पहचान कर उन्हें भविष्य हेतु तैयार किया जा रहा है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

मलाला युसूफजई तथा मोहम्मद नरगीस (ईरान) जैसी नोबल विजेताओं द्वारा मुखरता से महिला सरोकारों की आवाज उठाना हो तथा ग्रेटा थनबर्ग जैसे युवाओं द्वारा पर्यावरण की चिंता करना हो एवं डी गुकेश न चिन्ता दृष्टाधुज का चेस विजेता बनना हो। यह सब इस बात की पुष्टि करते है कि युवा भविष्य हेतु तैयार हो रहे है। उन्हें भविष्य के लिए तैयार किया जा सकता है।

युवाओं द्वारा ही विश्व कल्याण का मार्ग खोजा जा सकता है विश्वबंधुत्व, 'वसुधैव कुटुंबकम' के आदर्शों को प्राप्त किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

VisionIAS

इन्हीं से वेद वाक्यों को साकार किया जा सकता है। जैसा कि ईशावास्य उपनिषद में भी कहा गया है -

" सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत् ।"

अर्थात् समस्त चराचर जगत कल्याणमय हो।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

Conclusion
↳ दिलों से ट्रेंच → छातों में जांजीरा
देशों → विश्व शांति

Int.
↳ स्पर्धा → शांति

SPACE FOR ROUGH WORK

विंस्टन युद्ध इसलिए शांति से रहना अच्छा

युद्ध — हुकूमत एक तर्क है, प्रसंग है, जिसमें आदमी को ठोकता करते, लोग

सैनिक

Movie :

मार्टिन
- व्यक्ति को पीड़ित
- परिवार का तबाह
- दर्द का नाश
- देश का अपमान का अनिवार्य
- मकसद नहीं

Book, Wings of Fire
↳ कलाम
↳ "गिरते वे हैं जो घुड़सवार लड़ते हैं, वो तिफ्ल क्या गिरे जो घुटनों के बल चले"

" युद्ध में जीतना कोई सीधा रेखा नहीं, यह ऐसा चक्र है जो भँवर जाल में उलझाए रखता है। जिस पर बार-बार चलायमान रहना पड़ता है "
— शॉर्ट में दूसरा

मगध → ...
↳ अजात...
स्पार्टा - ...
औरंगजेब ...
पृथ्वीराज
- मुगल ...

J.S. मिल : सहयोगक और संघर्ष
सिविलाइजेशन : ...

सिविल युद्ध

द्विजीवी युद्ध
- व्यक्ति : अंतर्द्वंद्व, दुविधा, मानसिक, अवसाद, दैनिक जीवन की बाधाएँ
  - बर्ट्रेंड रसेल
  - अकेलापन, संघर्ष, बेचैनी, विसंगति निरर्थकता बोध
  - अस्तित्ववाद : ज्यां पॉल सार्त्र
  - (eg) जॉन्सन अल्बा डीजल, ...
- राष्ट्रीय, औद्योगिक

→ देश

परिवार — 'दबल स्वरूप की विपदाएँ'
↳ संयुक्तता, मूल्यों का पतन,
अलगाववाद — प्रेमचंद :
किसान — पूस की रात, गोदान

→ विश्वयुद्धों
↳ जर्मनी
↳ ब्रिटेन - USA
→ आज - इजराइल
↳ रूस यूक्रेन

समाज
→ बुराईयां, कुरीतियां, [दहेज, बालविवाह, ...]
→ पितृसत्ता, जातिवाद, धार्मिक उन्माद → लड़ाई, ... सांप्रदायिक
- आर्थिक विकास व उन्नति में पर्यावरण की अनदेखी, जो देश की उपलब्धि ...

देश
- तकनीकी उन्नति
- रोजगार, बिजली
- विकास, पर्यावरण
- व्यवस्था, GDP
- व्यवस्था
- वंचितों का कल्याण (SC, ST, PwD, आदिवासी PVTs
- विदेश नीति की समस्या, बाहरी शासन, संविधानवाद